



आरत का गज़त

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 414, नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 12, 1991/कार्तिक 21, 1913

No. 414] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 12, 1991/KARTIKA 21, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विधि एवं स्वायत्तंत्रालय

(स्वायत्तंत्रालय)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1991

सा.का.नि. 680(अ):—उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (सेवा शर्तें) अधिनियम, 1958 (1958 का 41) की धारा 23 को उन्नारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग मरते हुए, केन्द्रीय सरकार उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश नियम, 1959 में ग्रामी और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम घोषी है, अर्थात् :

1. (1) ये नियम, उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (संशोधन) नियम, 1991 कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश नियम, 1959 में, नियम 3 के बाद, निम्नलिखित नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात :—

“अब सेवा निवृत्ति-बाद के लाभ :—सेवा निवृत्ति मुख्य न्यायाधीपति और सेवा निवृत्त न्यायाधीश अपने जीवनकाल के दौरान एक अदैले को येवाओं की अदायगी के लिए एक हजार सात सौ पचास रुपया प्रति मास को राशि प्राप्त करने के हकदार होंगे, और एक निःशुल्क आवासीय टैलिफोल के भी हकदार होंगे तथा उन्हें प्रति मास 1500 तक निःशुल्क टैलिफोन कालों की नुविधा प्राप्त होंगी (यह सुविधा टैलिफोन प्राधिकारियों द्वारा अनुमेय निःशुल्क टैलिफोन कालों की संख्या के अतिरिक्त है)। (सेवा निवृत्ति के उपरीकृत लाभ सेवा निवृत्त मुख्य न्यायाधीपति एवं सेवा निवृत्त न्यायाधीश द्वारा उन्हें न्यायालय का रजिस्ट्री द्वारा निर्धारित कार्य में एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर, उच्चतम न्यायालय के रजिस्ट्रार द्वारा प्रदान किए जायेंगे।

[फाइल सं. एल.-11025/55/90-न्याय]

वी. विश्वनाथन, संयुक्त सचिव

फुट नोट : मुख्य नियम भारत के राजपत्र भाग II, खड 3 (i) पृष्ठ 161 अधिसूचना सं. सा. का. नि. 935. के तहत प्रकाशित किए गए थे। बाद में इनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया था :—

1. अधिसूचना सं. 1/34/74-न्याय (1) दिनांक 18-12-1974
2. सा.का.नि. 634 दिनांक 22-4-1976
3. सा.का.नि. 854 दिनांक 1-8-1980
4. सा.का.नि. 1176 (इ) दिनांक 4-11-1986

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Justice)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th November, 1991

G.S.R. 680(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 23 of the Supreme Court Judges (Conditions of Service) Act, 1958 (41 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Supreme Court Judges Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Supreme Court Judges (Amendment) Rules, 1991.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Supreme Court Judges Rules, 1959, after Rule 3A, the following rule shall be inserted, namely :—

“3B. Post-retirement benefits.—The retired Chief Justice and the retired Judge shall be entitled during their lifetime to a payment of one thousand seven hundred and fifty rupees per month for defraying the services of an orderly and also shall be entitled to a residential telephone free of cost and the number of free telephone calls to the extent of 1,500 per month (over and above the number of free telephone calls per month allowed by the telephone authorities). The above retirement benefits shall be provided by the Registrar of the Supreme Court of India on furnishing a certificate by the retired Chief Justice and the retired Judge in the form prescribed by the Registry of the Supreme Court of India.”

[F. No. L-11025/55/90-Jus]

V. VISWANATHAN, Jt. Secy.

Foot Note.—Principal Rules published vide Notification No. G.S.R. 935 dated 4-8-1959, Gazette of India, Part II, Section 3(i), page 1161.

Subsequently amended by :—

1. Notification No. 1/34/74-Jus. (i) dated 18-12-1974.
2. G.S.R. 634 dated 22-4-1976.
3. G.S.R. 854 dated 1-8-1980.
4. G.S.R. 1176(E) dated 4-11-1986.

